Gamb-ling

Niagara Multilingual Prevention / Education Problem Gambling Program,
Addiction Services, Hotel Dieu Health Sciences Hospital Niagara.

http://www.gamb-ling.com

Gambling and Ethno-Cultural Groups

जुआ और जाति-सभ्यता समुदाय

इस नई समस्या पर काम करते हुऐ हमें ज्ञात हुआ कि इन लोगों के लिए भाषा का प्रश्न ही मुख्य है। जब हम जाति-सभ्यता के समूह की बात करते हैं तो हमारा तात्पर्य अल्प संख्यक समुदाय के प्रति है क्योंकि जाति का संम्बंध तो हर समूह पर लागू होता है।

समस्या समान है।

प्रश्न : जाति - सभ्यता के इन अल्प संख्यक समुदायों में जुऐ पर बात चीत क्यों ?
उत्तर : जुऐ की समस्या हर किसी के लिऐ समान है।

जुआ समस्त मानव जाति में खेला जाता है। वर्तमान अनुसन्धान के अनुसार पैथालाजिकल जुआरीओं की प्रतिशत दर हर प्रकार के लोगों में समान है।**95 %** आबादी स्वस्थ है जहॉ तक जुऐ का प्रश्न है हालॉकि उन्होंने जुऐ में भाग लिया है। **5 %** आबादी समस्यावान जुआरी हैं।
5 % में से **1 %** कम्पलसिव/पैथालाजिकल जुआरी हैं।
जुऐ संम्बंधी गति विधि की प्रति शत दर जति - सभ्यता के अल्प संख्यक समुदाय में वही है जो सारे समाज में है।(ARF study 1996)

हमें इस बात पर ज़ोर पर देना है कि यह केवल जुऐ की समस्या नहीं बल्कि इससे संम्बंधित जानकारी एवं साधनों तक पहुचने की कमी है जो कि इन अल्प संख्यक समुदाय के लोगों को जुऐ की समस्या से बचा सकती है।

टोरोन्टो के चीनी समुदाय में जुऐ का प्रचलन बाकी के कैनेडा की आवादी से कम है जबकि स्टीरियोटिपिकल मत ये है कि चीनी लोग बहुत जुआ खेलते हैं।(Chinese family life services study)

जाति-सभ्यता के अल्प संख्यक समुदाय पर बहुत कम अध्ययन हुआ है।इसलिऐ इस वैब पेज को काम जारी है के रूप में रख कर भविष्य में पूरा कीया जाऐगा।

क्या जाति-सभ्यता के अल्प संख्यक समुदाय में जुऐ के कारण अलग हैं ?

अल्प संख्यक जाति - सभ्यता समुदाय , विभिन्न सभ्यता समुदाय या मुख्य धारा समुदाय के लोगों में जुऐ के कारण एक समान ही हैं।
Centre for Addiction and Mental Health,CAMH के अनुसार विभिन्न सभ्यताओं के लोग जुआ इस लिऐ खेलते हैं :
समाजिक सम्मिलन
समस्याओं से बचने और अकेलापन दूर करने के लिऐ
विभिन्न सभ्यताओं के लोगों से मिलने के लिऐ
समाज में अपना स्थान बनाने के लिऐ
धार्मिक त्यौहार मनाने के लिऐ

जुआ सब के लिऐ समाजिक मेल मिलाप का एक रास्ता है। फिर भी विभिन्न सभ्यताओं के लोगों के समाजिक , खेल कूद एवं मनोरंजन के आकर्षण अलग हैं।उदाहरण के तौर पर इटालियन समुदाय में ताश खेलना बहुत प्रिय है , चाहे घर हो या क्लब । ऐशियन बच्चों को माहजोंग या फैन-टैन का खेल सिखाया जाता है।फैन का अर्थ किसी वस्तु को पलटना(कप या कटोरी) और टैन का मतलब कंकड़ या पत्थर इत्यादि को फैलाना है।

जब हम जुऐ की बात करते हैं जाति - सभ्यता समुदाय के संदर्भ में तो हमें इमीग्रेशन (परिवर्तनशील जीवन) की भी चर्चा करना है।
नये आने वाले लोगों और शरणार्थियों पर यह अतिरिक्त दबाव उन्हें जुऐ का शिकार बना सकता है क्योंकि वो अकेलेपन,घर की याद,
उदासी और दुख से बचने के लिऐ इस रास्ते पर जा सकते हैं।

विभ्न्नि सभ्यताओं के लोग प्राय अपनी खोई हुई समाजिक स्थिति को पाने और समाज में अपना स्थान बनाने तथा नये वातावरण को अपनाने के लिऐ भी जुऐ का सहारा लेते हैं।पर जुऐ पर जो समाजिक

कलंक और लांक्षन लगा हुआ है उसके कारण जुआरी यह स्वीकार ही नहीं करता कि उनके समाजिक समुदाय में जुऐ की समस्या है और आवश्यक प्रौफेशनल सहायता भी नहीं लेते। इसलिए कोई भी नहीं स्वीकारेगा कि समस्या है और उसके समाधान के लिए बाहर की सहायता की आवश्यकता है। बल्कि उल्टे परिवार के लोगों पर अधिक दबाव पड़ता है कि वो मानसिक ,आर्थिक कानूनी सहायता प्रदान करें।
इसके अलावा जुऐ संम्बंधी आदर्शों का भी परस्पर विरोधाभास है जैसे कि धार्मिक अथवा कलचरल जुऐ का रीति-रिवाज़ या वर्तमान पश्चिमी जुऐ का चलन जो कि माज मनोरंजन के लिऐ है और कैनेडा में यह इसी रूप में प्रचलित है।

क्योंकि जुआ एक टूरिस्म का आकर्षण भी है इसलिऐ विभिन्न भाषाओं को जानने वाले लोगों के लिऐ इस व्यवसाय में नौकरी मिलने के अच्छे अवसर भी हैं (कैसीनो , बिंगो हाल इत्यादि)। पर इस व्यवसाय से जुड़े लोगों में जुऐ की समस्या भी अधिक माञा में है।

अल्पसंख्यक जाति-सभ्यता / बहुसंस्कृति समुदायों में जुऐ की समस्या पर बात चीत क्यों ?

जाति-सभ्यता अल्पसंख्यक समुदाय के लोग जुऐ की समस्या के इलाज में कम संख्या में हैं। इसका कारण सही सभ्यता के प्रति सचेत एवं संवेदनशील सम्मति (काउन्सलिंग सर्विसिज़) देने वालों की कमी , भाषा की समस्या इत्यादि हैं।
औन्टेरिओ प्रोब्लम गैम्बलिग हैल्पलाईन को **1** जुलाई **2000** से **30** जून **2001** तक **7284** फोन आऐ। इसमें से **3777** फोन साधारण जानकारी के लिए थे , **3548** फोन जुऐ सम्बन्धी उपचार के बारे में थे और इसमें से **24** लोगों ने अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाओं में सहायता की मॉग की। ये भाषाऐं थी : पंजाबी , सर्बयिन/क्रोऐशियन , वियैतनामी , मैन्डैरिन , पोर्चगीज़ , फ्रैन्च , तमिल , स्पैनिश , चीनी , पोलिश , फारसी एवं जर्मन। समस्यावान जुआरीओं के खतरों और उपचार को परखने के साधनों की आवश्यकता अन्य भाषाओं में भी है।

औन्टेरिओ में विभिन्न सभ्यताओं के लोग रहते हैं। टोरोन्टो में **75** % लोग अल्पसंख्यक जाति-सभ्यता समुदाय के हैं। हैमिल्टन , किचनर और लन्दन में **8** % और सैंट कैथरीन्स-नायगरा में **3.5** % ।

परन्तु नायगरा में कैसीनो के कारण और औन्टेरिओ , कैनेडा एवं सारे संसार में जुऐ के बड़ने के कारण जुऐ और जाति -सभ्यता समुदाय पर उसके प्रभाव के बारे में और अनुसंधान की आवश्यकता है। मई **2001** तक औन्टेरिओ प्रौब्लम गैम्बलिंग रिसर्च सैन्टर (OPGRC) ने 1.6 मिलियन डालर खास आबादी पर शोध (रिसर्च) के लिऐ दिये हैं जिसमें कि जाति-सभ्यता समुदाय भी शामिल है।

इस रिपोर्ट के नतीजे के पश्चात इस समस्या के प्रति काफी सहायता मिल सकेगी । अधिक जानकारी उपलब्ध होने पर अल्प संख्यक जाति-सभ्यता के लोगों में जुऐ की समस्या के निदान और उपचार से औन्टेरिओ के और अधिक लोगों को सहायता मिल सकेगी।

अल्प संख्यक जाति-सभ्यता समुदाय के लिये फलदायक नीतियों का विकास ।

अल्प संख्यक जाति-सभ्यता समुदाय के साथ मिलकर काम करने से समस्यावान जुऐ और मानसिक स्वास्थय के लिये फलदायक समाधान निकाले जा सकते हैं।
आस्ट्रेलिया के A.Blasczzynski अपने लेख "बहुजातिय समाज में जुऐ की समस्याऐं" में इस नतीजे पर पहुँचे कि अल्प संख्यक जाति के लोगों में बेहतर परिणाम निकालने के लिये चिकित्सकों को उनके जाति और सभ्यता सम्बन्धी अन्तरों एवं आवश्यकताओ को ध्यान में रखना चाहिये।जाति-सभ्यता के मूल को समझने से चिकित्सकों को उनके कार्यो एवं प्रतिक्रियाओं का आधार पता चलता है।उनके विश्वास,मूल्यताएँ,
रंग-ढंग एवं आदर्शों का भी पता चलता है।खास सभ्यता के प्रभाव को समझने से चिकित्सक सही सवाल पूछकर एवं जानकारी प्राप्त कर के सभ्यता के अनुकूल मध्यस्थता कर सकता है।

इन में निम्नलिखित बातें आवश्यक हैं
सीमा से बाहर तक पहुँच (outreach)
साझेदारी एवं/अथवा मिली जुली प्रणाली का विकास
प्रतिबन्ध और जागरूकता के कार्यक्रम
विभिन्न भाषाओं में उपदेशकों की सम्मति
विभिन्न भाषाओं में प्रकाशन
अल्प संख्यक जाति-सभ्यता समुदायों के साथ काम कर रही अन्य संस्थाओं के साथ अधिकतम सहयोग

उपदेशक अपने स्वयं के रवैये (attitude) एवं ज्ञान को परख और सुधार सकते है।

उपदेशकों को स्वयं अपनी जागरूकता को बढ़ाना एवं सम्बन्धित प्रवीणता का विकास
व्यक्ति विशेष पर केन्द्रित हों
सभ्यता एवं धार्मिक विश्वासों जुऐ सम्बन्धी रीति रिवाज़ों को समझें
समस्या जनित मानसिक दबाव को ध्यान में रखें
व्यक्ति की सभ्यता में परिवार का प्रभाव
समय के विषय में विचार ह्यअतिरिक्त समय देना. विचार विमर्श के लिये अधिक समय नियुक्त करना
. निर्धारित समय पर आन्रेन आने या देर से आने के प्रति लचकताह

परिवार की बनावट एवं हर सभ्यता में उनके अपेक्षित कर्तव्यों को समझिये
जुऐ के प्रति ऐतिहासिक तौर पर उस सभ्यता में क्या विचार धारा है
व्यक्ति विशेष की सभ्यता में जुऐ के बोध को समझिये
व्यक्ति की सभ्यता में सबसे अधिक प्रचलित जुऐ की प्रणाली के बारे में जानिये